



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

३१/२८१

सं. 141]  
No. 141]

मई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 17, 1989/फाल्गुन 26, 1910  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 17, 1989/PHALGUNA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### उद्घोष भवानस्थ

(कम्पनी वार्षिक विभाग)

आदेश

तह दिल्ली 17 मार्च 1989

का आ १०५(ग्र) — कम्पनी विधि बोर्ड का समाप्तान हो गया है तिनि भैसम तमिलनाडु ऐगेनसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जो मैसर्स तमिल, नाडु भैगेनसाइट लिमिटेड द्वारा एक पूर्णत व्यापिक्ष मरम्मती है तमिलनाडु भैगेनसाइट उपकरण है जो भैगेनसाइट प्रश्न अधिकार विभिन्न प्रश्न और अन्य सहवाह उत्पादों को खादन के लिए निर्माण किया गया ग न प्राप्ति स्थापित थर्ना और उप सर्वानिधि थर्ना प्राप्ति अपना और समाप्तान में आहर पाया है।

ओर तियांती कम्पनी मैसर्स समिलनाडु ऐगेनसाइट लिमिटेड जो पूर्णत अपनी व्यापिक्ष का कमाल है ओर निम्ना र्यान्स्ट्रिक्ट कार्यालय ४/५३ अम्पाल्यर मन राज ज़ार प्रम्पालियम, नेतृम-६३६ ३०२ में है व पार मध्य गोपाल जैसे विनीय विवरण विशेषज्ञता अनुभव प्रणालीय रचनात्मक और व्यापारी की जाभकारिया और स्थानीय व्यापारों का सदृश वर्णन व तिए अन्य स्वारूप है।

ओर मैसर्स तमिलनाडु ऐगेनसाइट लिमिटेड जो एक निपत्री कम्पनी है उन्होंना जारी करना उपर्युक्त प्राप्ति व्यापिक्ष के द्वारा मैसर्स तमिलनाडु का उपर्युक्त प्राप्ति

खड़ी में बचत और नीति के समान्वय करवा सकती है और भैगेनसाइट, अन्य अधिकार विभिन्नीय रेफेक्टरीज और अन्य सहवाह उत्पादों का वश और आर्थिक विस्थार और कार्यकरण सुनिश्चित करा सकती है, अत लाकहित में यह आवश्यक है कि तमिलनाडु भैगेनसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड जो तमिलनाडु भैगेनसाइट लिमिटेड की समनुपाती है, का एक अपनी के रूप में समामेलन कर दिया जाना जाहिं।

और दोनों कम्पनियों अर्थात् मैसर्स तमिलनाडु भैगेनसाइट लिमिटेड और मैसर्स तमिलनाडु भैगेनसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने २०-४ १९८८ को हुई शपथारण माध्यांग वैठक में दोनों कम्पनियों के शेषर धारकों द्वारा पारित किए गए सकल द्वारा समामेलन की स्कीम का अनुमोदन कर दिया है।

ओर प्रस्तावित ग्राहण की एक प्रति पूर्वोक्त कम्पनियों अर्थात् मैसर्स तमिलनाडु भैगेनसाइट लिमिटेड और तमिलनाडु भैगेनसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का गमावार गत्र में प्रकाशित करने के लिए मैरी गई थी और कम्पनी विधि बाट को समामेलन की स्कीम की बाबत इसी अधिकार में बाई आज्ञाप्राप्ति/मुकाबल प्राप्त नहीं हुए हैं।

अब अन कम्पना विधि बाई भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिकृतता से सा का नि ४४३(ग्र) तारीख १३ अक्टूबर, १९७२ के माध्य पठित कम्पनी अधिनियम १९५६ (१९५६ का १) की विधा ३९६ वी उपविधा (१) और उपविधा (२) द्वारा प्रवत्त अधिकार

का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कम्पनियों को एक कम्पनी में समावेशित करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, अधिकारी—

1. महिलाओं नाम—इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड और तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड (समावेश) आदेश, 1989 है।

2. परिभाषा—इस आदेश में अब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “नियत दिन” से वह सारोक अभियेत है, जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रधिसूचित किया जाता है

(ख) “विधित कम्पनी” से मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड अभियेत है;

(ग) “परिणामी कंपनी” से मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड अभियेत है;

3. सारोक 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड की प्राधिकृत पूँजी 50,00,00,000 रुपए (प्रत्येक 100 रुपए का साधारण अंश) और समावृत पूँजी 10,25,00,000 रुपए (प्रत्येक 100 रुपए का साधारण अंश थी)। तारीख 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड की प्राधिकृत पूँजी 1,50,00,000 रुपए (प्रत्येक 10 रुपए का साधारण अंश और समावृत पूँजी 12,75,000 रुपए (प्रत्येक 10 रुपए का साधारण अंश थी)।

3. (क) कम्पनियों का समावेशन—1. नियत दिन से ही, मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड और मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का समस्त कारबाहर और उपक्रम जहाँ पर भी है, जिसके अन्तर्गत सर्वे संपत्तियां आहे अगम हो या स्थावर और अन्य अस्तित्वों आहे वे किसी भी प्रकार की हों, जैसे मरीनरी और सभी स्थिर अस्तित्वों, पट्टे भू-भूति अधिकार, सीयरों में विभाजन या अन्यथा व्यापार में स्टाक, घोजार, प्रभिवहन में साल सभी प्रकार के दोनों घनों का अधिम, बहीताता छूण, अष्ट्राया छन, वसूलीय दावे, कंगर, घोड़ोगिक और अन्य अनुशासितियां और अनुशासन, आयात और अन्य अनुशासितियां, आशय-पत्र और हर प्रकार के सभी अधिकारी और शक्तियां, किन्तु मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सभी बंधकों और प्रभारों और आडमान, और उसकी उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाली प्रत्यामूर्ति और सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए, और कार्यवाही या विलेख के बिना प्रवृत्त विधि के अनुसार मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड भी अन्तरित हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे या अन्तरित हो जाएंगे या अन्तरित हो जाएंगे। इसमें इसके पूर्ण निविष्ट ऐसी सभी सम्पत्तियों के मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड में निविष्ट होने पर, मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड में मैसर्स तमिलनाडु मैगेनेसाइट लिमिटेड द्वारा धारित पूर्णतः समावृत प्रत्येक 10 रुपए के सभी 1,27,500 साधारण अंश रह हो जाएंगे।

2. लेखा के प्रयोगनों के लिए समावेशन, विधित कंपनी के 11 मार्च, 1988 को यथा विद्यमान लेखा पर्याकार लेखाओं और तुलना पत्र के प्रति निर्देशन—से प्रभावी होगा और उसके पाण्यात् सम्बद्धहारों को एक सामान्य लेखा में पूर्ण किया जाएगा, विधित कंपनी से किसी पाण्यात्वर्ती तारीख को अपना अन्तिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कम्पनी 31 मार्च, 1986 को यथा विद्यमान तुलना पत्र के अनुसार सभी अस्तित्वों और वायित्वों को शहूण करेंगी उसके पश्चात् के सभी संभवहारों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेंगी।

साप्टीकरण—विधित कम्पनी के उपक्रम के अन्तर्गत सभी अधिकार, अधिकारी, प्राधिकार, विशेषाधिकार और सभी सम्पत्ति, जंगम या स्थावर जिसके अन्तर्गत मकान अन्तिष्ठेप, सारक्षित्या, राजस्व अन्तिष्ठेप, विनिधेन और ऐसी सम्पत्ति में, या उसके उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और

मधिकारी जो नियत दिन के ठीक पूर्व विधित कंपनी के हों, और उसके संबंधित सभी बहिता, लेखे और दस्तावेज तथा विधित कम्पनी के उम समय विद्यमान सभी छूण, शायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएँ, आहे वे किसी भी प्रकार की उम समय हों, आते हैं।

4. भूमपति की कुछ मर्दों का ग्रन्तीण—इस प्रादेश के प्रयोगने वे नियत दिन को यथा विद्यमान विधित कम्पनी के सभी लाभ या हानि या दोनों, यदि कोई हों, और विधित कम्पनी के गतस्य आपात्कालीन, या घाटा, या दोनों, यदि कोई हों, जब परिणामी कम्पनी को अन्तर्गत होते हैं, तो वे परिणामी कम्पनी के व्याप्तिकालीन, लाभ या हानि और राजस्व आरक्षिती या घाटे का भाग रूप होंगे।

5. संविदाओं भावि की व्याप्ति—इस आदेश में अन्तर्विष्ट अन्य उपक्रमों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएँ, विनेश, वंशपत्र, करार और अन्य लिखते, आहे वे किसी प्रकार की हों, जिनमें विधित कंपनी एक पक्षकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व आमिन्व घे है या प्रभावी है, परिणामी कंपनी के विशेष या उसके पक्ष में पूर्णतः वक्षील और प्रभावी होंगी और उन्हे वैसे ही पूर्ण रूप से प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विधित कंपनी का वजाय परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार थी।

6. विधिक कार्यालयों की व्यापूति—यदि, नियत दिन को, विधित कंपनी द्वारा या उसके विशेष कोई बाव अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अत्य विधिक कार्यवाही लंबित है तो यह विधित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अन्तरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होने हुए, भी जागमित नहीं होगी या उसे बन्द नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिनिधि प्राप्त नहीं होगा, किंतु ऐसा वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही परिणामी कम्पनी द्वारा या उसके विशेष उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, प्रभाव और प्रवृत्ति नी जा सकेगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विधित कंपनी द्वारा द्वारा या उसके विशेष जारी रखी जा सकती या अप्रमर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकेगी, या अप्रमर और प्रवृत्ति नी जा सकेगी, यदि यह आदेश नहीं किया गया होना।

7. बाराधान की बाबत उपर्यंग—नियत दिन से पूर्व, विधित कंपनी द्वारा किए गए कारबाहर के लाभों और अधिलालों (जिनके अन्तर्गत भूमिका हानियां और अनामेलित अवधारणाएँ भी हैं) की बाबत सभी कर उम सीमा तक परिणामी कंपनी हारा सदैय होंगे जैसे वे विधित कंपनी द्वारा नद द्वारा सदैय होंगे जब यह आदेश न किया गया होना।

8. विधित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपर्यंग—विधित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विधित कंपनी के निदेशक को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बन जाएगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी प्रवृत्ति के द्वारा और उन्हीं निवंत्रणों और शर्तों पर आंदर जैसे ही प्राधिकारी और विशेषाधिकारी के साथ धारण करेगा जो वह, यदि वह आदेश नहीं किया गया होगा, विधित कंपनी के अधीन धारण करना और यह उसके नियोजित सम्बन्धों में समाप्त नहीं कर दिया जाना या जब उसका पारिवर्त्यित और नियोजित की जाने परम्परिक महर्ता द्वारा सम्बन्धित नहीं बन दी जाती।

9. निदेशकों का उपर्यंग—विधित कंपनी का प्रयोग निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व इस रूप में पद धारण किए हुए हैं, नियत दिन को विधित कंपनी के निदेशक नहीं रह जाएगा।

10. भविष्य निधि की समस्याएँ—विषट्टि कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीया उपर्युक्त अधिनियम, 1952 की स्थीर के अधीन उम कर्मचारी भविष्य निधि के मद्दत बने रहेंगे जिसके बे मद्दत हैं और इस प्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियन्त्रित विन में समिक्ताड मैग्नेसाइट लिमिटेड, इन अधिकारियों और कर्मचारियों की वावन, उहीं करो पर, जिन पर विषट्टि कंपनी उम कर्मचारी भविष्य निधि में अभिभाव कर रही थी, उन निधि में कर्मचारियों के अभिभाव करेगा और करना रहेगा।

11. नमिनाडु मैग्नेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का विषट्टि—इस प्रादेश के अन्य उपर्युक्तों के प्रश्नीय रहने हुए नियन्त्रित विन में नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड प्रोडक्ट्स विषट्टि हो जाएगी और कोई भी अल्प विषट्टि कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निवेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उमकी ऐसे निवेशक या अधिकारी की व्यक्तियन में, न तो कोई वावा करेगा और न कोई मांग या कार्यवाही प्रवापित करेगा या हटाएगा, मिवाय बहाने तक जहां तक इस प्रादेश के उपर्युक्तों द्वारा प्रवत्तित करने के लिए प्राप्तज्ञक हो।

12. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा प्रादेश का रजिस्ट्रीकरण—कंपनी विश्री बोई, इस प्रादेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कानी रजिस्ट्रार नमिनाडु को इस प्रादेश की एक प्रति सेवेंगा जिसकी पालन पर, कंपनी रजिस्ट्रार नमिनाडु परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय किए जाने पर प्रादेश को रजिस्टर करेंगा और इस प्रादेश की प्राप्ति होने की नारीब से एक मास के पीछे उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने इन्साक्टर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, नमिनाडु अन्तरक कंपनी से संबंधित आने गाम रजिस्ट्रीकूल, अभिविभूत या फादल किए गए सभी इन्साक्ट, नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड को जिसके साथ अन्तरक कंपनी था समामेलन किया यथा है, फादल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी पत्रकाल में रखेगा।

13. परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद—नमिनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड के संगम जापन और संगम अनुच्छेद, जिस एग में नियन्त्रित विन के द्वारा पूर्व विद्यमान थे, नियन्त्रित विन में परिणामी कंपनी संगम जापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[121/10/88—मी. एल -III]  
एम. कुमार, गवर्नर, (कंपनी विधि बांड)

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

### ORDER

New Delhi, the 17th March, 1989

S.O. 205(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, a wholly owned subsidiary of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, a wholly owned Government of Tamilnadu Undertaking which was incorporated to mine the Magnesite, other mineral manufacturing and other allied products has found it beyond the capacity and resources to set up and run such plants;

And whereas, the holding Company, M/s. Tamilnadu Magnesite Limited a wholly owned Government Company, having its registered office at 5/53, Omalur Main Road, Jagir Ammalayam, Salem-636302, has all the resources such as financial, marketing, expertise, experience, administrative experience and other sources to strengthen the profitability and resources of the company;

And whereas the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, the holding Company, can provide the use of scarce resources and equipments personal and material, save administrative expenses and enduring co-ordination in policy and the efficient and

economic expansion and working of the Magnesite, other minerals manufacturing Refractories and other allied products, it is essential in the public interest that The Tamilnadu Magnesite Products Limited, which is a subsidiary of Tamilnadu Magnesite Limited, should be amalgamated into a single Company.

And whereas, both the companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the Shareholders of both the Companies in the extraordinary General Meetings held on 29th April, 1988;

And whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the aforesaid Companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and Tamilnadu Magnesite Products Limited for its publication in the Newspaper and that no objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the theme of amalgamation from any person;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsections (1) and (2) of the Section 3 per cent of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E) dated 13th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two Companies into a single Company, namely:—

1. Short title.—This Order may be called the Tamilnadu Magnesite Products Limited and Tamilnadu Magnesite Limited (Amalgamation) Order, 1989.

2. Definitions.—In this Order unless the context otherwise requires :

(a) "Appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette.

(b) "Dissolved Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited.

(c) "Resulting Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited.

3. The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 50,00,00,000 (equity shares of Rs. 100 each) and paid up capital was Rs. 10,25,00,000 (equity shares of Rs. 100 each). The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 1,50,00,000 (equity shares of Rs. 10 each) and paid up capital was Rs. 12,75,000 (equity shares of Rs. 10 each).

3. (a) Amalgamation of the Companies.—1. On and from the appointed day, the entire business and undertaking of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, as where is including all the properties, movable or immovable and other assets, of whatsoever nature e.g. machinery and ill fixed assets leases tenancy rights, investments in shares or otherwise stock in trade, tools, goods in transit, advances of monies at all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, import and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in acceptance with the law in force. On such vesting of all the properties herein before referred to in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, all the Rs. 1,27,500 equity shares of Rs. 10 each fully paid up held by M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, will stand cancelled.

2. For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1988 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to

prepared its final accounts as on any later date and the resulting company shall takeover all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 31st March, 1988 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

**Explanation.**—The undertaking of the dissolved company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balances, revenue investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of dissolved company immediately before the appointed day, and all book, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

**4. Transfer of certain items of property.**—For the purpose of this order, all the profits or losses of both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

**5. Saving of contracts etc.**—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect again or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

**6. Saving of Legal Proceedings.**—If, on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this order. But the suit, prosecution appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this order had not been made.

**7. Provisions with respect of Taxation.**—All taxes in respect of the profits and gain (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company to the same extent as they would have been payable by the dissolved company if this order had not been made.

**8. Provisions respecting existing officers and other employees of the dissolved company.**—Every whole-time officers or other employee (excluding the Directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become

an officer or other employee as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have the same under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

**9. Position of Directors.**—Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

**10. Membership of Provident Fund.**—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employees' Provident Fund under the scheme of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and Tamilnadu Magnesite Limited shall with effect from the appointed day of publication of this order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employees' Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

**11. Dissolution of the Tamilnadu Magnesite Products Limited.**—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Tamilnadu Magnesite Products Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

**12. Registration of the order by the Registrar of Companies.**—The Company Law Board, shall as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Tamilnadu, a copy of this order, on receipt of which the Registrar of Companies, Tamilnadu shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter the Registrar of Companies, Tamilnadu shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of Tamilnadu Magnesite Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

**13. Memorandum and articles of Association of the resulting company.**—The Memorandum and Articles of Association of the Tamilnadu Magnesite Limited as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[24/10/88-CL III]  
S. KUMAR, Member  
(Company Law Board)